किशनगंज हिन्दुस्तान पूर्णिया • मंगलवार • 29 जनवरी 2019 • 04

मानव व्यापार को रोकना जरूरी

किशनगंज। सोमवार को दौला पंचायत के उत्क्रमित उच्च विद्यालय में राहत संस्था एवं मिसिंग लिंक ट्रस्ट के माध्यम से जागरुकता कार्यक्रम चलाया गया। जागरुकता कार्यक्रम में मुख्य रुप से मानव व्यापार को लेकर जागरुक किया गया। वक्ताओं ने कहा कि मानव व्यापार की घटनाएं बढ़ रही है।

इसे रोकने के लिए जागरुक होना बहुत जरुरी है। इसके पूर्व इसका मुखिया प्रतिनिधि तालिब, प्रबीर मिश्रा द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया गया। संजीव कुमार, शमसाद अनवर, दिलीप कुमार, शारदा गांगुली, एकरामुल हक, रहत कर्मी जुनैद यासमीन, मो. आजाद, गौरव कुमार, माला, मेहराज, एहसान आदि मौजूद थे।

प्रभात खबर
भागलपुर, मंगलवार
29.01.2019 03

किशनगंज प्रभात

मानव तस्करी रोकने को ले राहत संस्था ने चलाया जागरूकता कार्यक्रम

- बाल विवाह, मानव व्यापार, सरकारी व गैर सरकारी योजनाओं का जानकारी देना उद्देश्य

प्रतिनिधि ▷ किशनगंज

सोमवार को राहत संस्था एवं मिसिंग लिंक ट्रस्ट के माध्यम से एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. ग्राम पंचायत दौला के उत्क्रमित उच्च विद्यालय सह मध्य विद्यालय दौला किशनगंज में किया गया. सर्वप्रथम मुखिया प्रतिनिधि तालीब शाहब, मिसिंग लिंक ट्रस्ट के प्रोबीर मिश्रा, प्रधानाध्यापक, शिक्षक तथा राहत कार्यकर्मियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया.

कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए मो आजाद ने मानव व्यापार, मानव तस्करी के बारे में बताया कि हर आठ मिनट में एक बच्ची लापता हो जाता है. यह एक गंभीर समस्या है.जिले के समीप नेपाल बॉर्डर है और बंग्लादेश बॉर्डर है. जिसके कारण बच्चों एवं महिलाओं का मानव तस्करी समय समय पर होता रहता है. मानव व्यापार के रोकथाम के लिए सर्वप्रथम हमें कई कार्यक्रम, विधि द्वारा जागरूक होना होगा. अगर हम जागरूक रहें, सतर्क रहेंगे तभी मानव व्यापार के विरुद्ध आवाज उठ सकते है और लोगों को समाज को जागरूक कर इसकी रोकथाम कर सकते है. मुखिया मो तालीब ने बताया कि राहत संस्था समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम रैलियां तथा बैठक के माध्यम से समय-समय पर सरकारी तथा गैर सरकारी योजनाओं, बाल विवाह, मानव व्यापार, अधिकार के लिए ग्राम वासियों को जागरूक करते रहते है. विद्यालय शिक्षा समिति के अध्यक्ष साकेरून निशा ने बताया कि महिलाओं और बच्चों को समय-समय पर सामाजिक, स्वास्थ्य इत्यादि के लिए जागरूक किया जाता है. मिसिंग लिंक ट्रस्ट से प्रोबीर मिश्रा ने प्रोजेक्टर में फोटो ग्राफ, वीडियो, ऑडियो के माध्यम से बताया कि मानव व्यापार क्या है. यह कैसे हो सकता है. यह कौन कौन कर सकता है. फिर फोटोग्राफ के माध्यम से काल्पनिक, शहरी और ग्रामीण बच्चों की कहानी बतायी और दिखाई गयी और सभी बच्चों को जागरूक किया गया. बच्चों के मनोबल के लिए मानव व्यापार पर वीडियो, फोटोग्राफ दिखा कर प्रश्न उत्तर पूछे गये और बच्चों को पुरस्कार एवं सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक संजीव कुमार, शिक्षक शमशाद अनवर, दिलीप कुमार, शारदा गांगुली, समिति सदस्य इकरामुल हक, राहत कार्यकर्मी जुनैद, यास्मीन, मो आजाद, गौरव कुमार, माला मिश्रा, मेराज दानिश, एहसान इत्यादि उपस्थित रहे.

किशनगंज जागरण

दैनिक जागरण
पूर्णिया, 29 जनवरी 2019 | 3

महिला सुरक्षा लेकर चला जागरूकता अभियान

संस, किशनगंज : दौला पंचायत स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय में महिला एवं बाल व्यापार के विरूद्ध जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सोमवार को आयोजित कार्यक्रम का उदघाटन करते हुए डॉ. फरजाना बेगम ने कहा कि बाल व्यापार को रोकना समाज में रहने वाले सभी लोगों के प्राथमिक कर्त्तव्य है। इसके लिए ग्रामीणों को स्वयं भी जागरूक होना पड़ेगा। महिला एवं बाल व्यापार सुशिक्षित और सभ्य समाज के लिए एक अभिशाप है। इसके लिए बालिकाओं को विशेष रूप से जागरूक करने की जरूरत है। मानव व्यापर मुख्य रूप से गलत या खतरनाक काम करने के लिए किया जाता है। इनमें बाल विवाह, झूठी शादी, बंधुआ मजदूरी, निर्माण कार्य और अंग प्रत्यारोपण सहित कई अन्य गैर कानूनी काम शामिल हैं। ग्रामीण महिलाएं सहित स्कूली छात्राओं को भी सुरक्षित रहने की जरूरत है।

किशनगंज
हिन्दुस्तान पूर्णिया • शुक्रवार • 25 जनवरी 2019

बालिकाओं को किया गया जागरूक

अभियान

राष्ट्रीय बालिका दिवस

- उत्क्रमित मध्य विद्यालय, महेश बथना में आयोजित हुआ कार्यक्रम
- राहत संस्था के माध्यम से किया गया जागरूक

किशनगंज | हिन्दुस्तान प्रतिनिधि

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर उत्क्रमित मध्य विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित कर बालिकाओं को इस दिवस की महत्ता से अवगत कराया गया।

राहत संस्था की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को उसके अधिकार व कर्तव्य की जानकारी देते जागरुक भी किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधानाध्यापक, वार्ड सदस्य, शिक्षक सहित राहतकर्मियों द्वारा किया गया। इस मौके पर राहत संस्था के मो. आजाद ने कहा कि इस दिवस की शुरुआत 2009 में हुई थी। 24 जनवरी को देश की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने गद्दी संभाली थी। इसलिए इस दिन को महिला व बाल विकास मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस के रुप में मनाने का निर्णय लिया गया था।

इसे मनाने का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करना, उन्हें जागरुक करना और लोगों को कन्या भ्रूण हत्या के प्रतिकूल प्रभावों के बारे में बताना है।

प्रधानाध्यापक जहूर आलम ने कहा कि शिक्षा हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। जब तक बालिकाएं शिक्षित नहीं होगी समाज की मुख्य धारा तक नहीं पहुंच पाएगी। साथ ही इसके बिना जागरुकता भी असंभव है। इसके अलावा मानव व्यापार, बाल विवाह, कुपोषण व पोस्को एक्ट पर भी राहतकर्मियों ने चर्चा की। कार्यक्रम से पूर्व महेशबथना गांव में सभी छात्र-छात्राओं के साथ रैली निकालकर लोगों को जागरुक भी किया गया। मौके पर सिराज अनवर, रियाज आलम, यास्मीन प्रवीण, सिराज, जुनैद, एहसान, गौरव, माला मिका, अनुपम सहित अन्य थे।

प्रेरक और समन्वयक ने लगाए सरकार विरोधी नारेः फारबिसगंज। प्रसाक्षरता प्रेरक और समन्वयक संघ की बैठक प्रखंड कार्यक्रम समन्वयक अमरनाथ झा और उमर अली की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैजसमें प्रेरक और समन्वयक से 7 वर्ष कार्य लेने के बाद सरकार द्वारा 31 मार्च 18 को सेवा समाप्त कर देने पर आक्रोश जताया।

पूर्णिया, 25 जनवरी 2019 दैनिक जागरण

बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने का दिया नारा

जागरूकता कार्यक्रम में मौजूद छात्राएं • जागरण

संवाद सहयोगी, किशनगंज : राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर गुरूवार को किशनगंज प्रखंड के महेश बथना स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बालिकाओं को शिक्षा के साथ अपने अधिकार के प्रति जागरूक किया गया। इसके बाद जागरूकता रैली निकाल कर ग्रामीण क्षेत्र में रहनेवाले लोगों को बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने का नारा लगाते हुए बेटी की पढ़ाई को अनिवार्य बताया गया।

मौके परी राहत की संचालिका डॉ. फरजान बेगम ने कहा कि राष्ट्रीय बालिका दिवस की शुरूआत वर्ष 2009 से शुरू की गई। 24 जनवरी को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पहली बार प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठीं थी। इसी वजह से उन्हें नारी शक्ति के रूप में भी जाना जाता है। बालिका दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य यह है कि बालिकाओं को अगर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले तो वह भी स्वयं के जीवन संवारने के साथ समाज और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकती हैं। वर्तमान समय में बालिकाएं सेना, पुलिस और पायलट बन कर राष्ट्र की सेवा कर रही हैं। पढ़ाई के साथ कंप्यूटर का ज्ञान भी बालिकाओं के लिए जरूरी हो गया है।

इस दौरान मुख्य रूप से प्रधानाध्यापक जहुर आलम, मो. आजाद, यारसमीन, सिराज, जुनैद, एहसान, गौरव, माला मिका, अनुपम, शिराज अनवर, रियाज आलम सहित अन्य मौजूद थे।

प्रभात खबर
भागलपुर, शुक्रवार
25.01.2019 | 03

बालिका दिवस पर जागरूकता अभियान

किशनगंज. राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर उत्क्रमित मध्य विद्यालय महेशबथना, किशनगंज में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन राहत संस्था के माध्यम से किया गया. प्रधानाध्यापक, शिक्षक गण, वार्ड सदस्य तथा राहत कर्मियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गयी. राहत कार्यकर्मी मो आजाद ने बताया कि राष्ट्रीय बालिका दिवस की शुरुआत वर्ष 2009 से की गयी है. 24 जनवरी के दिन इंदिरा गांधी को नारी शक्ति के रूप में याद किया जाता है. इस दिन इंदिरा गांधी पहली बार प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठी थी. इसलिए इस दिन को राष्ट्रीय बालिका दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया. यह निर्णय राष्ट्रीय स्तर पर लिया गया था. महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा भारत में प्रतिवर्ष 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाता है. बालिका दिवस मनाने का उद्देश्य यह है कि लड़कियों के बोर में व्याप्त भ्रांतिया दूर करना, उन्हें जागरूक करना और लोगों को कन्या भ्रूण हत्या के प्रतिकूल प्रभावों को बताना है. प्रधानाध्यापक जहूर आलम ने बताया कि शिक्षा हमारे जीवन के बहुत आवश्यक है. शिक्षा के माध्यम से कई प्रकार की सुविधा, लाभ तथा नौकरियां हमें समय समय पर प्राप्त होती रहती है. राहत कार्यकर्मी यासमीन प्रवीण ने बताया कि आज के युग में बेटा बेटी में कोई अंतर नहीं, आज बेटी पूरे विषय में अपना नाम कर रही है. हर क्षेत्र में लड़कियां नौकरी कर रही है. लड़कों से कंधों से कंधा मिला कर चल रही है. मानव व्यापार, बाल विवाह, कुपोषण तथा पोस्को एक्ट पर भी मो आजाद और यास्मीन प्रवीण ने कहानियों, उदाहरणों के साथ सभी को जागरूक किया.

जागरूकता से सामाजिक कुरीति होगी खत्म

पहल

किशनगंज | संवाददाता

संस्था में बुधवार को राहत संस्था की ओर से लड़कियों को शिक्षित करने को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राहत संस्था की सचिव डॉ. फरजाना बेगम ने कहा कि बाल विवाह एक बड़ा अपराध है। जब तक लड़कियां व उनके अभिभावक शिक्षित नहीं होंगी तब तक इसे नहीं रोका जा सकता है।

लड़कियां शिक्षित होंगी तो इसका विरोध करेंगी। अभिभावकों को भी बाल ाह का विरोध करना चाहिए। वे बेटी की कम उम्र में शादी नहीं करनी चाहिए। बेटी को शिक्षित कर उन्हें भी बेटे की तरह आत्मनिर्भर बनाने की पहल करनी चाहिए। इसके लिए समाज के लोगों को जागरूक होने की आवश्यकता है। चाइल्ड लाइन के जिला समन्वयक पंकज झा ने कहा कि बाल विवाह को रोकने के लिए सभी को जागरूक होने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि लड़कियों के रोजगार कैसे मिले इस पर भी सामाजिक संगठनों को आगे आकर पहल करने की आवश्यकता है।

रेड क्रास सोसाईटी के सचिव मिक्की साहा ने कहा कि वर्तमान में लड़कियां भी सभी सेक्टर में अपनी अलग पहचान बना रही है। अपनी प्रतिभा से सबको प्रभावित कर रही है।

लड़कियों को शिक्षित करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में बैठी राहत संस्था की सचिव डॉ. फरजाना बेगम।

● फोटो: हिन्दुस्तान

धन्यवाद।

दिनांक 24.07.2019 को राहत संस्था एवं रेलवे डिपार्टमेंट, किशनगंज के माध्यम से रेलवे सुरक्षा बल तथा रेलवे थाना के साथ रेलवे स्टेशन परिसर में एच0आई0वी0/एड्स की रोकथाम हेतु एक दिवसीय बैठक का आयोज़न किया गया।

दिनांक 24.07.2019 को राहत संस्था एवं रेलवे डिपार्टमेंट, किशनगंज के माध्यम से रेलवे सुरक्षा बल तथा रेलवे थाना के साथ रेलवे स्टेशन परिसर में रेलवे थाना (SHO) संतोष कुमार, RPF SHO आर. के यादव, रेलवे स्टेशन मास्टर, दिपक जी, दिलीप कुमार तथा राहत संस्था के सचिव डॉ0 फरजाना बेगम की अध्यक्षता में एच0आई0वी0/एड्स की रोकथाम हेतु एक दिवसीय बैठक का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम डॉ0 फरजाना बेगम ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों से राहत संस्था एवं BSACS के द्वारा चलाये जा रहे लक्षित हस्तक्षेप परियोजना के माध्यम से एच0आई0वी0/एड्स की रोकथाम हेतु जागरुकता कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। मुफ्त कण्डोम वितरण, एच0आई0वी0 जाँच, S.T.I. जाँच, परामर्श तथा व्यवहार परिवर्तन जैसी सेवायें प्रदान किये जा रहे हैं।

राहत संस्था, किशनगंज एक लक्षित समूह (MSM) पर कार्य कर रही है। जिसका उद्देश्य HIV/Aids के प्रति रोकथाम तथा जागरुकता फैलाना है। राहत संस्था कार्यक्रमी मो0 आजाद ने बताया कि लक्षित हस्तक्षेप परियोजना के माध्यम से हम उच्च जोखिम वाले समूह/लोगों को परामर्श के माध्यम से उनको कण्डोम प्रयोग करने की सलाह तथा कण्डोम के लाभ से जागरुक करते हैं। HIV कैसे फैलता है इससे सावधान करते हैं।

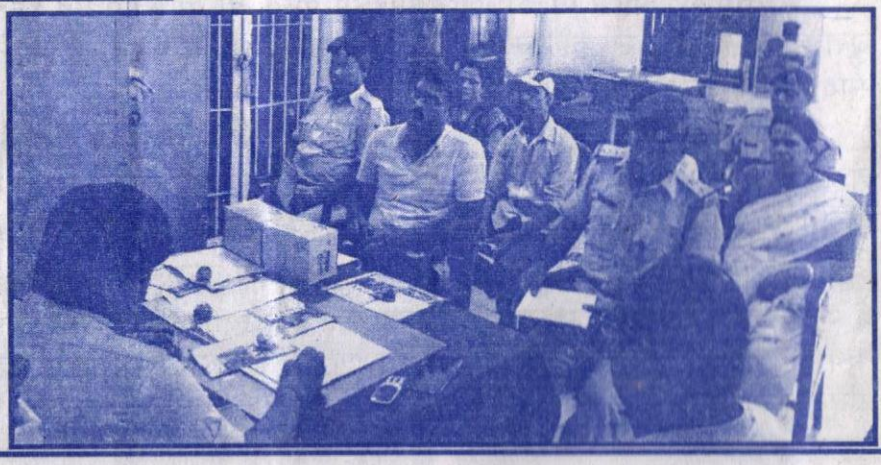

डॉ0 फरजाना बेगम का बहुत ही सराहनीय कदम

डॉ0 फरजाना बेगम
सचिव, राहत संस्था

राहत संस्था ने Institute of Skill & Management Technology Centre खोला है। भारत सरकार के द्वारा Diploma in Computer Application, Business Accounting, Multilingual DTP, CABA-MDTP में 1 वर्ष का कोर्स शोषित, पीड़ित एवं किसी भी प्रकार की हिंसा की शिकार की महिला जो 18–35 वर्ष आयु की होगी एवं मैट्रिक/फोकानिया/मध्यमा पास हो उन्हें बिल्कु निःशुल्क कोर्स कराया जाएगा।

डॉ0 फरजाना बेगम ने कहा कि हम चाहते हैं कि हर लोग शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़े। साथ ही ऐसी पीड़ित, शोषित एवं हिंसा की शिकार महिलाएँ भी शिक्षित हों। चूँकि आये दिन इस तरह की घटनाएँ सामने देखने को मिलती है। अगर किसी भी बच्ची या महिला के साथ कोई घटना होती है तो वे घर और समाज से बहुत मजबूर हो जाती है। चाहे दुष्कर्म हो या ट्रेफिकिंग हो या अन्य हिंसा की शिकार हों उन्हें लगता है क्या करें, कैसे जीवन व्यतीत करें वे मुख्य धारा से टूट जाती है। इन्हें सशक्त करने के लिए बच्चियाँ/महिलाएँ निःशुल्क डिप्लोमा प्राप्त कर रोजगार कर सकते हैं। आर्थिक सशक्तिकरण से वे स्वयं सक्षम हो सकती हैं। जो इस लाभ को लेना चाहते हैं वे राहत कॉलोनी, कजलामनी रोड, कबीर चौक के बगल में, किशनगंज से सम्पर्क कर या मो0 नं0 9931901786, 9523509505, 8877433405 पर संपर्क कर विशेष जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। परिवार और समाज के लोगों को आगे आना होगा तभी हम हिंसा की शिकार महिलाओं को सशक्त करने में अपना योगदान दे सकते हैं।